वर्ष 2025 | माह नवम्बर | अंक 47

बालमन

बच्चों की प्रतिभा को दे एक नया आयाम।
बालमन से मिले हर प्रतिभा को सम्मान।।

नि:शुल्क बालमन को पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें या क्लिक करे

SCAN ME

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं
प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

बच्चों के लिए नवम्बर का महीना बहुत ही खास होता है।हम सभी एक बदलाव की ओर अग्रसर होते है।ठंडी के आगमन के साथ यह महीना बहुत सारे खास लोगों के जन्मदिन और दिवस विशेष के बीच अपनी एक अलग ही पहचान बनाता है,ठीक वैसे ही जैसे आप सभी बच्चे अपनी प्रतिभ से बालमन को खास बनाते हैं। बालमन टीम आप सभी नन्हें कलाकारो का भी बहुत सम्मान करती है।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है। हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी ToB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयन्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

शुभकामनाओं सहित

धीरज कुमार
प्रधान संपादक (बालमन पत्रिका)
राजकीय शिक्षक सम्मान (वर्ष 2022)
से सम्मानित शिक्षक(बिहार)

बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर

धीरज कुमार, नव. प्रा. वि. हरनाटॉड, भभुआ कैमूर(बिहार)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1. शरद कुमार वर्मा (उत्तर प्रदेश)
2. निकिता चौधरी (गुजरात)
3. सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)
4. दीपिका श्रीवास्तव (छत्तीसगढ़)
5. अभय शर्मा (मध्य प्रदेश)

राज्य समन्वयक समिति

1.कुमार राकेश मणि, उ. मा. वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)

2.राकेश कुमार, म.वि. बलुआ, मनेर (पटना)

3.रवि शर्मा,प्रा वि पकड़ी अनु.जाति टोला रामनगर(पश्चिम चंपारण)

4.पुष्पा प्रसाद, रा. कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)

संरक्षक

1. शिव कुमार, संस्थापक, टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

आपके लिए इस अंक में

	पेज संख्या
1. अनमोल विचार	01
2. प्रेरक प्रसंग	02
3. बालमन सम्मान	04
4.अंतर खोजें	05
5.डॉट्स मिलाओ	08
6. नन्हें कलाकार	09
7.रास्ता खोजें	14
8. बालमन पेंटिंग	17
9. इंग्लिश कॉर्नर	20
10. हंसी के हंसगुल्ले	25
11. रोचक गणित	26
12. पेन पेंसिल आर्ट	27
13.ब्लैक बोर्ड आर्ट	30
14. दर्शनीय स्थल	31
15.गुणकारी सब्जी	32
16.एक नजर इधर भी	33
17.कहना जरूरी हैं	34
18.क्विज टाइम	37
19.बूझो तो जानें	38
20. आओ सीखें	40
21.चेतना सत्र	41
22.बालमन कहानी	43
23. चलो सीखते हैं	44

अनमोल विचार

सच्चा ज्ञान रटने से नहीं, बल्कि जिज्ञासा और खोज करने की इच्छा से प्राप्त होता है और सबसे महान खोज एक विचार से शुरू होती है, जिसे अज्ञात में गहराई तक जाने के जुनून से पोषित किया जाता है।

सी.वी. रमन

जन्म: 07 नवम्बर 1888 मृत्यु : 21 नवम्बर 1970

पद्य पंकज

ज़िन्दगी में जो कुछ है,
जो भी है सहर्ष स्वीकारा है;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।

गजानन माधव मुक्तिबोध

जन्म: 13 नवम्बर 1917 मृत्यु : 11 सितम्बर 1964

||लक्ष्य प्राप्ति की राह||

रजनीश कुमार पाठक

एक किसान के घर एक दिन उसका कोई परिचित मिलने आया।उस समय वह घर पर नहीं थ- वह खेत पर गए हैं। मैं बच्चे को बुलाने के लिए भेजती हूं। तब तक आप इंतजार करें।कुछ ही देर में किसान खेत से अपने घर आ पहुंचा। उसके साथ-साथ उसका पालतू कुत्ता भी आया। कुत्ता जोरों से हांफ रहा था उसकी यह हालत देख, मिलने आए व्यक्ति ने किसान से पूछा... क्या तुम्हारा खेत बहुत दूर है ? किसान ने कहा- नहीं, पास ही है। लेकिन आप ऐसा क्यों पूछ रहे हैं ?

उस व्यक्ति ने कहा- मुझे यह देखकर आश्चर्य हो रहा है कि तुम और तुम्हारा कुत्ता दोनों साथ-साथ आए... लेकिन तुम्हारे चेहरे पर रंच मात्र थकान नहीं जबकि कुत्ता बुरी तरह से हांफ रहा है।

किसान ने कहा- मैं और कुत्ता एक ही रास्ते से घर आए हैं। मेरा खेत भी कोई खास दूर नहीं है। मैं थका नहीं हूं। मेरा कुत्ता थक गया है। इसका कारण यह है कि मैं सीधे रास्ते से चलकर घर आया हूं, मगर कुत्ता अपनी आदत से मजबूर है।

वह आसपास दूसरे कुत्ते देखकर उनको भगाने के लिए उसके पीछे दौड़ता था और भौंकता हुआ वापस मेरे पास आ जाता था। फिर जैसे ही उसे और कोई कुत्ता नजर आता, वह उसके पीछे दौड़ने लगता। अपनी आदत के अनुसार उसका यह क्रम रास्ते भर जारी रहा। इसलिए वह थक गया है।देखा जाए तो यही स्थिति आज के इंसान की भी है।

जीवन के लक्ष्य तक पहुंचना यूं तो कठिन नहीं है, लेकिन राह में मिलने वाले कुत्ते, व्यक्ति को उसके जीवन की सीधी और सरल राह से भटका रहे हैं।

इंसान अपने लक्ष्य से भटक रहा है और यह भटकाव ही इंसान को थका रहा है। यह लक्ष्य प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा है। आपकी ऊर्जा को रास्ते में मिलने वाले कुत्ते बर्बाद करते हैं।

भौंकने दो इन कुत्तों को और लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में सीधे बढ़ते रहो.. फिर एक ना एक दिन मंजिल मिल ही जाएगी। लेकिन इनके चक्कर में पड़ोगे तो थक ही जाओगे। अब ये आपको सोचना है कि किसान की तरह सीधी राह चलना है या उसके कुत्ते की तरह।

शिक्षा:-

सफलता के लिए सही समय की नहीं, सही निर्णय की जरूरत होती है।

बालमन

SUDOKU दिमागी कसरत

INSTRUCTIONS

1 से लेकर 9 तक की संख्या से इस सुडोकू को पूरा करे।
एक संख्या का प्रयोग केवल एक ही बार नौ छोटे वर्गाकार वाले प्रत्येक वर्ग में करे।

6				8			5	
5	8		6	7		4		
		2			1	8		3
1		9			4			2
				6	7		3	4
	4	6		9		5		
8			9					6
4		5		3	6	1		
		1		2			9	5

राकेश कुमार

TOB खेल कॉर्नर

उपकरण माप

खेल	उपकरण का मापन
फुटबॉल	• गोल पोस्ट की चौड़ाई- 7.32 मीटर और ऊंचाई 2.44 मीटर, • गेंद की परिधि - 68 सेमी और 70 सेमी के बीच • गेंद का वजन - 410 ग्राम और 450 ग्राम के बीच
हॉकी	• गोल पोस्ट की चौड़ाई- 3.66 मीटर और ऊंचाई 2.14 मीटर, • गेंद की परिधि - 224 मिमी और 235 मिमी के बीच • गेंद का वजन - 156 ग्राम और 163 ग्राम के बीच

खेल	उपकरण का मापन
बास्केटबाल	• रिंग के अंदर का व्यास - 450 और 459 मिमी के बीच, • जमीन से रिंग की ऊंचाई - जमीन से 3050 +/-6 मिमी ऊपर, • पुरुषों के लिए गेंद का साइज़ 7 - परिधि 750 से 770 मिमी और वजन 580 से 620 ग्राम, • महिलाओं के लिए गेंद का साइज़ 6 - परिधि 715 से 730 मिमी और 510 से 550 ग्राम
वालीबाल	• नेट के शीर्ष की ऊंचाई - पुरुषों के लिए 2.43 मीटर और महिलाओं के लिए 2.24 मीटर, • गेंद की परिधि - 65-67 सेंटीमीटर और इसका वजन 260-280 ग्राम होता है

www.teachersofbihar.org

बालमन

सबसे अलग हूं मैं...

सबसे अलग हूं मैं..... जरा पहचानो तो

1.

2.

3.

ToB मास्टर साहेब कहिन....

बालमन श्यामपट्ट

संविधान दिवस 26 नवम्बर को क्यों मनाया जाता है ?

भारत का संविधान अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस को मनाया जाता है। भारत की संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को भारत के संविधान को अपनाया था, मगर यह 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ था। यही कारण है कि 26 नवंबर को संविधान दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है।

मास्टर साहेब: धीरज कुमार
N.P.S. हरनाटाड, भभुआ, कैमूर (बिहार)

बालमन सम्मान

प्रधानाचार्य रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल लखनऊ,उत्तर प्रदेश के द्वारा बालमन पत्रिका के द्वारा दिया गया सम्मान पत्र छात्रा कीर्ति विश्वकर्मा वर्ग ६ को प्रदान किया गया।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय असलान रामपुर गड़हनी में कल बच्चों को शिक्षक दिवस पर टीचर ऑफ द बिहार द्वारा छपने वाली मासिक पत्रिका बालमन द्वारा ९ सम्मान पत्र मिला था उसको भौतिक रूप में निकलवाकर कर आज चेतना सत्र के दौरान बच्चों को दिया गया।

मध्य विद्यालय गौसाघाट दरभंगा

प्राथमिक विद्यालय प्रखण्ड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय नावानगर, कोचस, रोहतास

NPS खुटौना यादव टोला, पताही, पूर्वी चंपारण

PS Mahi Siding, Sonpur, Saran

UMS बहेरिया, चांद, कैमूर

बालमन

अन्तर खोजें

20 सेकंड में 5 अंतर खोजे

बालमन

खेल से खिलाड़ी पहचानो

i

ii

iii

iv

A

B

C

D

रोचक तथ्य

राकेश कुमार

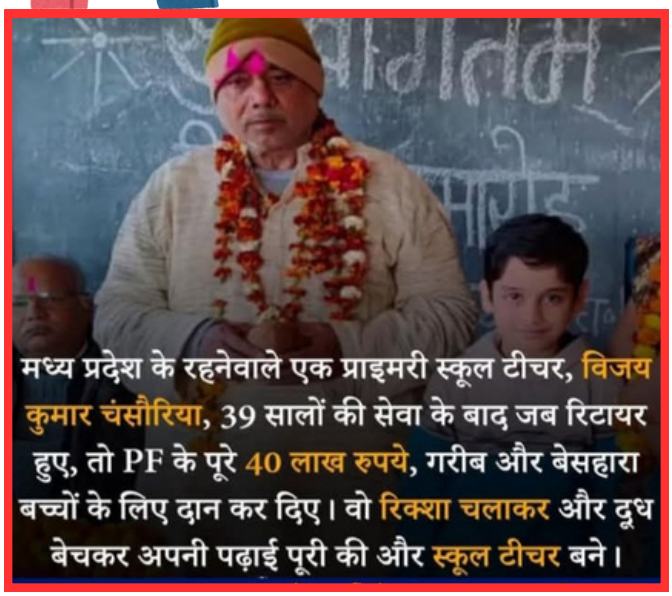

बालमन शिक्षा शब्दकोश

पारंपरिक कक्षा

पारंपरिक कक्षा एक भौतिक शिक्षण स्थान है जहाँ शिक्षक छात्रों को आमने-सामने निर्देश देते हैं और ज्ञान का प्रवाह शिक्षक-केंद्रित होता है। इसमें एक निश्चित समय सारिणी, मानकीकृत पाठ्यक्रम और परीक्षाएँ होती हैं, जो छात्रों को एक संरचित वातावरण में संवाद और सामाजिक संपर्क का अवसर प्रदान करती हैं।

डॉट्स मिलाओ चित्र बनाओ

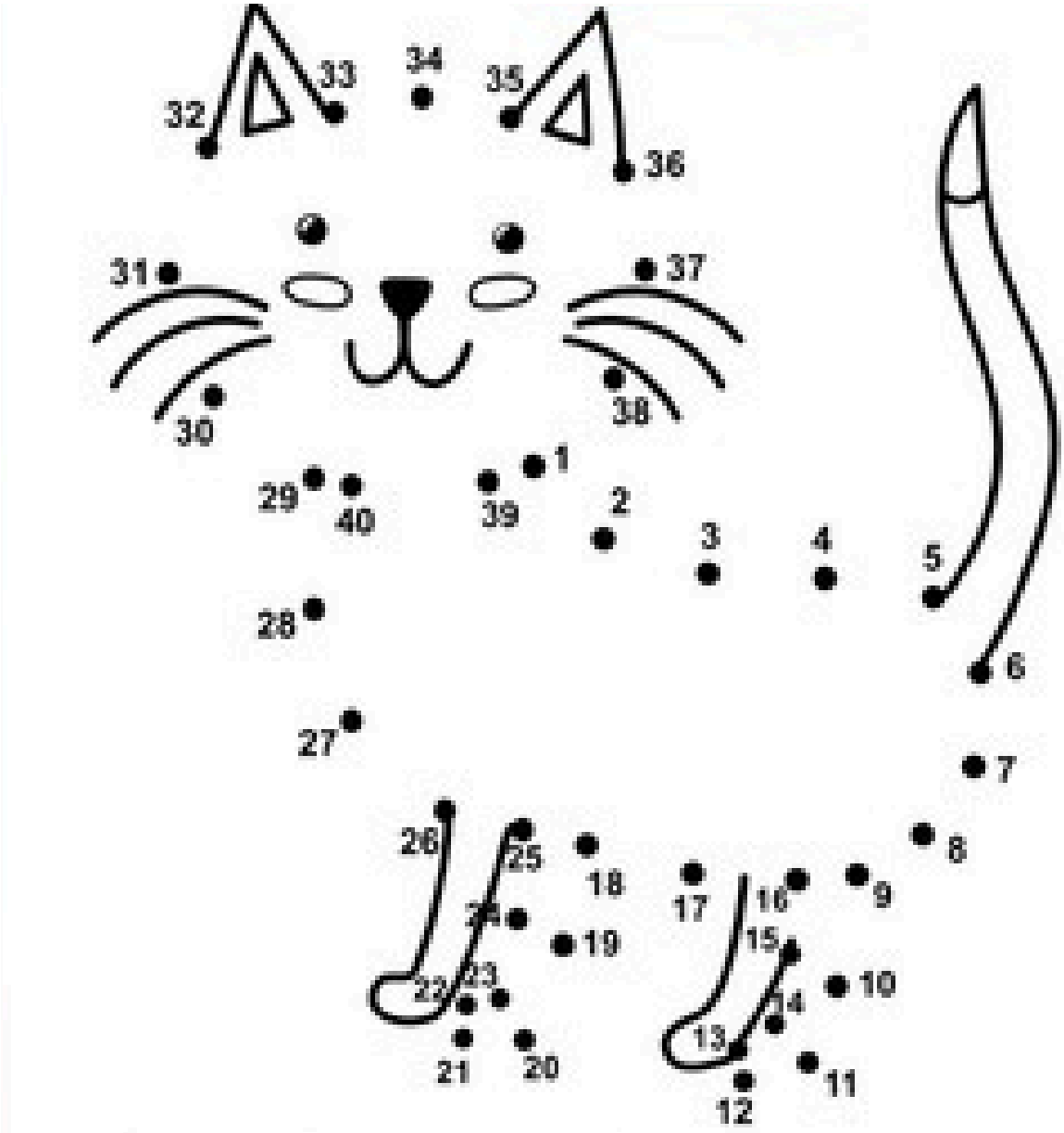

आप डॉट्स मिला कर बनी आकृति को रंग कर फोटो क्लिक कर 9431680675 पर भेज सकते है।

बालमन

भाग-1

नन्हें कलाकार

म वि भेकास , जिला कैमूर

अभ्यास
मध्य विद्यालय शेखपुरा

UMS फुलवरिया घंघटी
चकिया ,पूर्वी चंपारण

म वि दुर्गास्थान
खजांची हाट, पूर्णिया

UMS फुलवरिया घंघटी,चकिया
पूर्वी चंपारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय असलान रामपुर
गड़हनी भोजपुर

प्रा वि पटिया भभुआ
कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय असलान रामपुर गड़हनी भोजपुर

प्रा वि कालीगंज उत्तर टोला,
विहटा, पटना

स्वास्थ्य सुझाव

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

राजीव कुमार

Health is wealth

ठंडी में गर्म पेय पदार्थ एवं गर्म भोजन का सेवन करें। गर्म पानी से नहाए। गर्म कपड़े पहने। पीने के लिए बोतल में गर्म पानी रखें। सिर को गर्म कपड़े से ढक कर रखें।

CYBERमंत्र

साइबर शिक्षा से साइबर सुरक्षा

APK फाइल SCAM से सतर्क रहें। किसी भी अनजान नंबर से आए निमंत्रण(INVITATION) के लिंक को न छुए। किसी अनजान व्यक्ति को OTP न बताएं। APK फाइल को डाउनलोड ना करें।

OLD IS GOLD

डेविड एटनबरो

९४ वर्ष से अधिक उम्र के ब्रिटिश प्रसारक और प्रकृतिवादी हैं, जो अभी भी सक्रिय रूप से वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) बना रहे हैं और जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता बढ़ा रहे हैं।

फोटो साभार: विकिपीडिया

बालमन

भाग-2

नन्हें कलाकार

प्रा वि पटिया भभुआ कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास भभुआ, कैमूर

UMS असलान रामपुर गड़हनी भोजपुर

नवसृजित प्रा वि साहू टोला जमुनिया, चकिया,पूर्वी चंपारण

प्राथमिक विद्यालय बक्सीडीह फलका,कटिहार

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

म वि भरई बाजार मधेपुरा

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

नव प्रा विहरिजन टोला कलगीगंज भागलपुर

NPS साह टोला बांध के निकट जमुनिया चकिया पूर्वी चपारण

Buniyadi M. S. Ailay

बालमन जानकारी

ATM

हेलो बच्चों!

मैं हूं ATM। मेरा पूरा नाम ऑटोमेटेड टेलर मशीन है ।मेरा आविष्कार स्कॉटलैंड के जॉन शेफर्ड बैरन ने किया था ।पता है बच्चों मेरे जन्म से पहले लोगों को बैंक से अपने पैसे निकालने के पहले घंटों लाइन में खड़े रहना पड़ता था लेकिन अब लोग एटीएम में लगी मशीन में एक कार्ड डालकर फिर चार अंको का गुप्त पिन डालते हैं और तुरंत नगद पैसे निकाल सकते हैं ।

इस कार्ड को डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड कहते हैं जो प्लास्टिक की मुद्रा के अंतर्गत आता है।

जानते हो मेरी खूबियां क्या हैं: -

ATM से आप जब चाहे जहां से चाहे पैसे निकाल सकते हैं यह सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहती है। देश के किसी भी कोने में किसी भी बैंक में अगर किसी का खाता है तो वे किसी भी एटीम से पैसे निकाल सकते हैं, बैंक खुलने या बंद होने की चिंता नहीं रहती है।

*पैसे निकालने के बाद एक रसीद भी मशीन से निकलता है जो हमें अवश्य लेना चाहिए।

और एक जरूरी बात बच्चों -

इस डेबिट कार्ड का गुप्त पिन कभी किसी से शेयर नहीं करना चाहिए। नहीं तो फ्रॉड होने की संभावना होती है।

.....तो चलते चलते दो पंक्तियां

दिन हो या रात.....
एटीएम है हमेशा सबके साथ

अमृता कुमारी (शिक्षिका)
उच्च माध्यमिक विद्यालय बसंतपुर
सुपौल(बिहार)

बालमन

भाग-3

नन्हें कलाकार

बुनियादी मध्य विद्यालय आइलाय चांद , कैमूर

मध्य विद्यालय भरई बाजार , मधेपुरा

UMS गौरा ,भगवानपुर कैमूर

मध्य विद्यालय भरई बाजार मधेपुरा

RMS बृजवानिया, चनपटिया,पश्चिमी चंपारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदूमाबाद अरवल

म वि बिरसिंहपुर कल्याणपुर, समस्तीपुर

उ म विद्यालय मखदूमाबाद अरवल

उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौरा माहनिया, कैमूर

बालमन

सही रास्ता खोजे

पिंकु को घर तक पहुंचने में मदद करे।

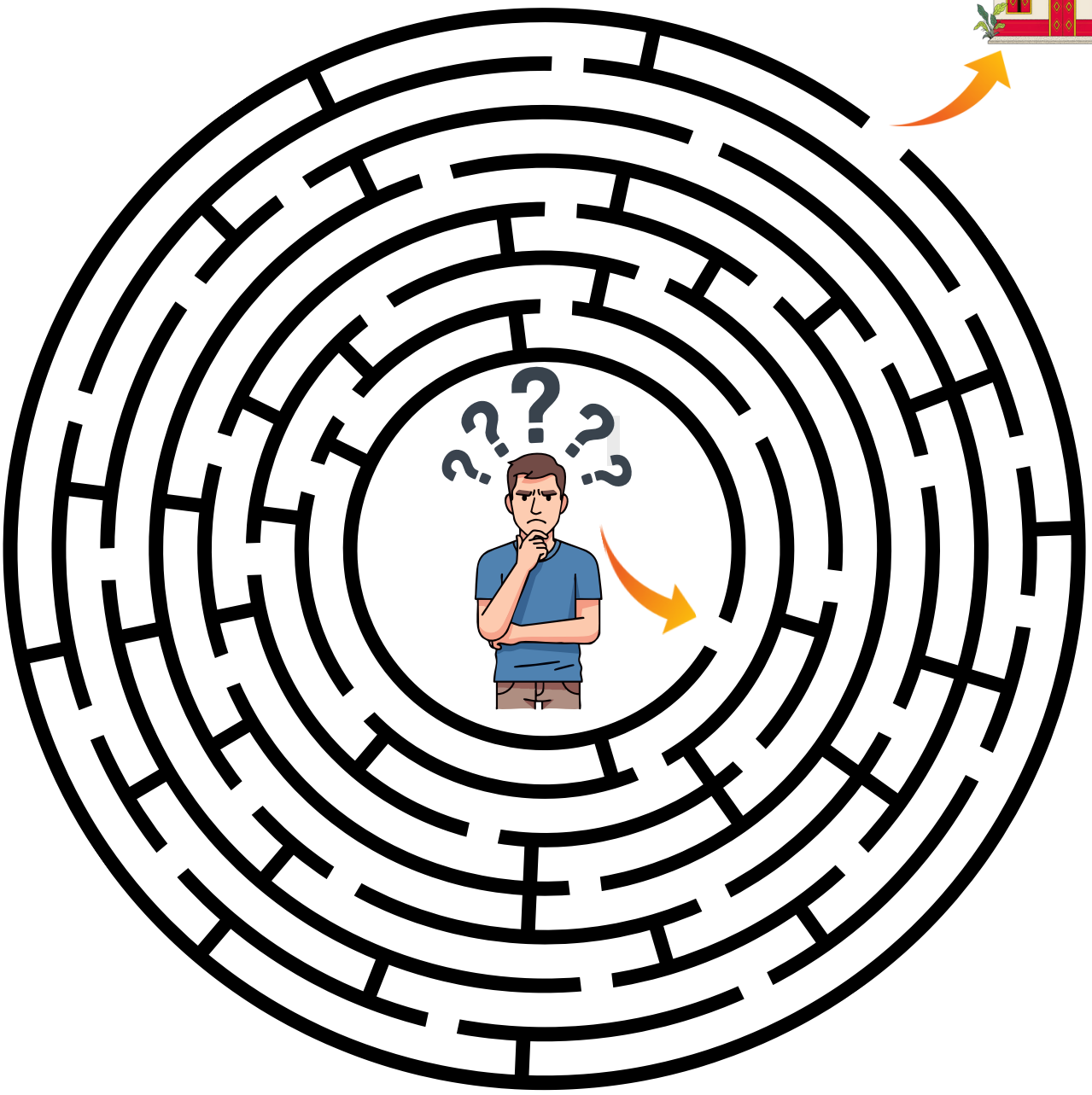

यदि आपको सही रास्ता मिल जाएं तो आप हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं।

बालमन

भाग-४

नन्हें कलाकार

उ म वि गौरा मोहनिया, कैमूर

उ म वि गौरा भगवानपुर, कैमूर

प्रा वि जगरिया, चैनपुर, कैमूर

म वि मसली पूर्व सुल्तानगंज

म वि गौसाघाट दरभंगा

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

JUHS खम्हार विभूतिपुर, समस्तीपुर

प्रा वि बक्सीडीह फलका, कटिहार

रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल चारबाग लखनऊ

रा प्रा व म वि अजराना खुर्द,जिला-कुरुक्षेत्र(हरियाणा)

रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल चारबाग लखनऊ

मध्य विद्यालय मड़नपुर, अंगिआंव,भोजपुर

म वि गौसाघाट दरभंगा

बालमन क्रॉसवर्ड

इस क्रॉसवर्ड में भारत के सात राज्यों के नाम को खोजे और घेरा लगाएं।

अ	म	हा	त्रि	पु	रा	मे
मि	क	ह	रि	या	णा	घा
त	चै	ल	म	झा	र	ल
मि	त्र	बि	हा	र	गु	य
ल	गौ	त	रा	ख	ज	श
ना	मा	दु	ष्ट	न्	रा	ना
डु	के	र	ल	ड	त	रा
न	ज्ये	रे	खा	अ	स	म

आप अपने उत्तर को हमे व्हाट्सएप नंबर 9431680675 पर भेज सकते है।

कभी सोचा है आपने...

हम बूढ़े क्यों हो जाते है ?

मानव शरीर में होने वाली जैविक क्रियाओं का मंद होना ही वृद्धावस्था कहलाता है। बुढ़ापे में शरीर की सभी कोशिकाओं और ऊतकों में परिवर्तन आना शुरू हो जाता है। शरीर के अंग कमजोर हो जाते हैं। धमनियों और शिराएँ पुरानी हो जाती है। इस प्रकार आदमी बूढ़ा हो जाता है।

बालमन आपकी पेंटिंग भाग 1

सृष्टि कुमारी ,वर्ग –7
देवनारायण श्री मध्य विद्यालय, मकराईन, डिहरी ,रोहतास

Urdu p s bhabua ward no 1, BHABUA, KAIMUR

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, कटिहार

UMS दुलहरा, चांद कैमूर

अभ्यास मध्य विद्यालय शेखपुरा

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान, पूर्णिया

प्राथमिक विद्यालय बक्सीडीह, फलका, कटिहार

PS MAKTAB KABAI NAYATOLA VIDYAPATINAGAR SAMASTIPUR

बालमन दिमाग की बत्ती जलाओ

आओ सही जगह पर लगाएं

ToB बालमन आपकी पेंटिंग

Part - 2

मध्य विद्यालय भेकास, भभुआ , कैमूर

संध्या कुमारी, वर्ग 4
प्राथमिक विद्यालय, माहीसाइडिंग, सोनपुर, सारण

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

जूही कुमारी ,वर्ग-5
NPS खुटौना यादव टोला पताही,
पूर्वी चंपारण(बिहार)

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक
बरारी (कटिहार)

रुकैया बेगम
शासकीय प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

English Corner

Multiple Meaning Words

Park

गाड़ी पार्किंग

बच्चों के खेलने का स्थान

LIGHT

हल्का

प्रकाश

SPRING

बसंत

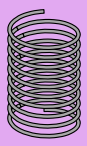

छल्ला युक्त लोहे के रिंग

RULER

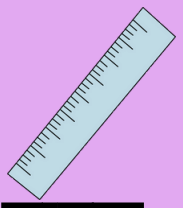

मापक

शासक

PALM

हथेली

ताड़ का पेड़

LETTER

पत्र

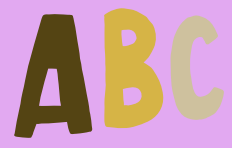

अंग्रेजी वर्णमाला

विज्ञान कॉर्नर

राजेश कुमार सिंह

जल समीर (Sea breeze)

कब चलती है: दिन के समय।
दिशा: समुद्र से स्थल की ओर।
कारण: दिन में जमीन पानी की तुलना में जल्दी गर्म हो जाती है, जिससे जमीन पर हवा का दबाव कम हो जाता है। इस कम दबाव को भरने के लिए समुद्र की ठंडी हवा जमीन की ओर बहती है।
प्रभाव: इससे जमीन के तापमान में कमी आती है और कभी-कभी वर्षा भी हो सकती है।

थल समीर (Land Breeze)

कब चलती है: रात के समय।
दिशा: स्थल से समुद्र की ओर।
कारण: रात में जमीन पानी की तुलना में जल्दी ठंडी हो जाती है। इस वजह से जमीन पर हवा का दबाव अधिक हो जाता है और समुद्र पर दबाव कम होता है, जिससे हवा जमीन से समुद्र की ओर बहती है।
प्रभाव: यह समुद्री हवा की तुलना में धीमी होती है।

ToB बालमन आपकी पेंटिंग Part - 3

प्राथमिक विद्यालय छत्रपुर, रामगढ़, कैमूर

राजकीय उ० मध्य विद्यालय सेनुअरिया प्रखण्ड चनपटिया (पश्चिमी चम्पारण)

M S KORAI GARHPURA BEGUSARAI

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

मीनाक्षी और रेशम class 8th
Middle School Bilauti(Bhojpur)

अंशु कुमारी ,वर्ग-5
प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला कलगीगंज,कहलगाँव भागलपुर

साधना कुमारी
मध्य विद्यालय गौसाघाट,दरभंगा

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवंडिया,चांद, कैमूर

श्रेया कौशल ,वर्ग- 7
देवनारायण सिंह मध्य विद्यालय मकराईन, डिहरी रोहतास(बिहार)

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

UMS फुलवरिया घंघटी चकिया पूर्वी चंपारण

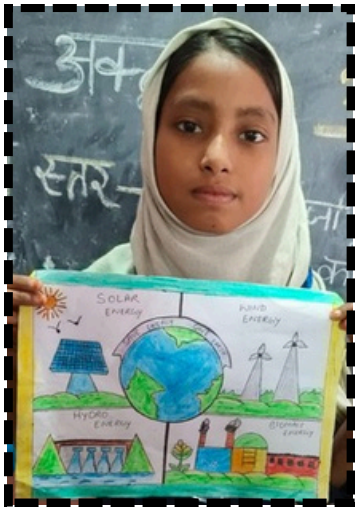

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, कटिहार

बालमन कविता

हैप्पी बाल दिवस

बाल दिवस की खुशियाँ आईं,
मुस्कानें भी संग लाईं।
नन्हें-मुन्ने प्यारे बच्चे,
घर-आँगन में रौनक छाईं।

तुम हो प्यारी सुबह की किरणें,
तुमसे जग में उजियारा।
तुम हँसो तो फूल खिलें जैसे,
तुम हो भविष्य का सितारा।

खेलो-कूदो, सीखो-हँसो,
सपनों को ऊँचा उड़ने दो।
ज्ञान का दीप जलाओ मन में,
जीवन पथ पर आगे बढ़ने दो।

बाल दिवस का पावन अवसर,
लाए नई उम्मीदें नई सोच।
प्यारे बच्चों, खुश रहो तुम,
तुम में ही है भारत की नई सोच।

डॉ .अनीता देवी (शिक्षिका)
मध्य विद्यालय जमुनिया खास
पूर्वी चंपारण (बिहार)

मेरा प्यारा स्कूल

सुबह-सवेरे उठ के जाऊँ,
पढ़ने लिखने मन लगाऊँ।
बैग उठाकर चल दूँ जल्दी,
मिलते मुझको दोस्तें प्यारे बलदी।

कक्षा में सब साथ में बैठें,
टीचर जब कुछ नया पढ़ाते।
क, ख, ग से शुरू कहानी,
गिनती, कविता और भी वाणी।

टिफिन की घंटी बजते ही,
हम सब भागें खेल में सही।
कभी लुका-छिपी, कभी है दौड़,
हँसी-मज़ाक की लगती होड़।

पढ़ाई भी है खेल जैसा,
ज्ञान का मिलता है हिस्सा।
मेरा स्कूल सिखाता प्यार,
सपनों को देता आकार।

ज्योति कुमारी (प्रधान शिक्षिका)
प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला
मजगामा कस्बा
पूर्णियाँ(बिहार)

एक नज़र इधर भी....

UMS असलान रामपुर गड़हनी ,भोजपुर

Anisha kumari, class 2
UMS Chhotka katra, Mohnia, kaimur

उत्क्रमित बालिका मध्य विद्यालय बिछियाँ, दुर्गावती, कैमूर

बिन्दा कुमारी, कक्षा 6
उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा,भभुआ

अंबिका कुमारी class 7
UMS हरिहरपुर , भभुआ, कैमूर

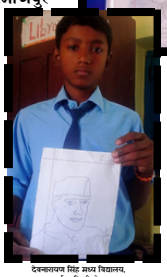

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, कटिहार

देवनारायण सिंह मध्य विद्यालय, मकराईन, डिहरी रोहतास

निपुण भारत

UMS फुलवरिया, घंघटी, चकिया पूर्वी चंपारण

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज

प्राथमिक विद्यालय मकतब कबइ समस्तीपुर

UMS दुघरा भभुआ कैमूर

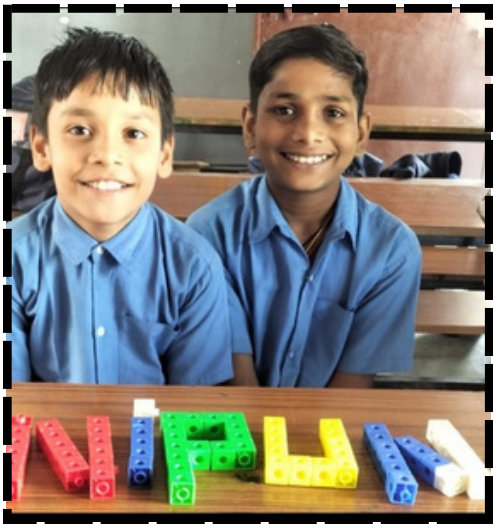

NPS बलरा दुसाध टोली बरौली गोपालगंज

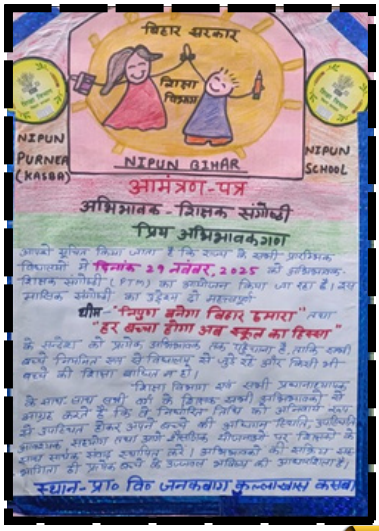

प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ पटना

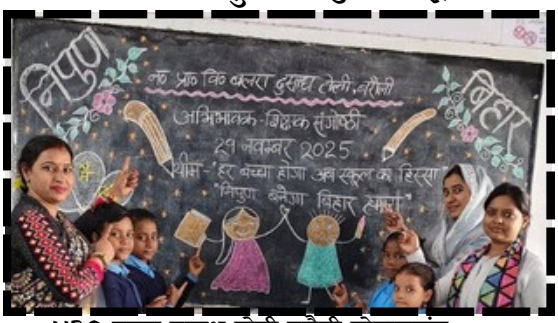

प्राथमिक विद्यालय जनकबाग ,कुल्लाखास,कस्बा, पूर्णिया

आपकी पेंटिंग Part 4

रिया कुमारी,वर्ग 5
प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

Buniyadi M. S Ailay, chand, KAIMUR

प्राथमिक विद्यालय कुकुराढ़, भभुआ, कैमूर

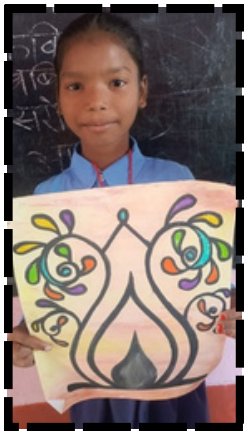

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय नावानगर, कोचस, रोहतास

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनिया(मधुबनी)

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

NPS कझार घाट, कुदरा, कैमूर

कन्या मध्य विद्यालय बिछियाँ दुर्गावती, कैमूर

प्राथमिक शाला हरदी बिलासपुर छत्तीसगढ़

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बलहा बिस्फी ,मधुबनी

प्राथमिक विद्यालय नवानगर कोचस रोहतास

M S Birsinghpur Kalyanpur Samastipur

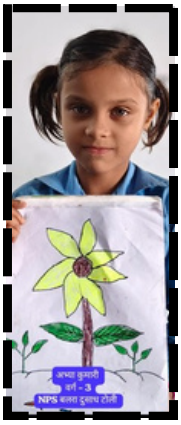

NPS बलरा दुसाध टोली बरौली (गोपालगंज)

हँसी के हसगुल्ले

अरविंद कुमार(शिक्षक)
NPS हसनपुरा, भभुआ
(कैमूर)

टीचर: रैनी तुमने अपना होम वर्क क्यों नहीं किया ?
रैनी: सर मैं होस्टल में रहता हूं।
टीचर : तो
रैनी: सर,मै होस्टल में होम वर्क कैसे करूं।आपको मुझे होस्टल वर्क देना चाहिए न

शिक्षक- 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का क्या मतलब होता है?

छात्र - तू सो जा मां... मैं ज्योति के घर जा रहा हूं...!

साइंस टीचर :क्लास में सो रहे हो क्या ?

सोमू : नहीं टीचर गुरुत्वाकर्षण से सर नीचे गिर रहा है।

बालमन

रोचक गणित

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा,
नुआंव(कैमूर) बिहार

वर्ष 2025 के बारे में कुछ रोचक गणितीय तथ्य

1) 2025, स्वयं एक वर्ग है।
अर्थात 45×45=2025

2) यह दो वर्गों का गुणनफल है।
अर्थात $9^2 \times 5^2 = 2025$

3) यह 3-वर्गों का योग है।
अर्थात $40^2 + 20^2 + 5^2 = 2025$

4) यह 2025 साल 1936 साल के बाद 89 साल बाद आनेवाला पहला वर्ग है..
$44 \times 44 = 1936$

5) अगला वर्ग वाला साल 91वर्ष के बाद 2116 आयेगा
$46 \times 46 = 2116$

सब से रोचक तथ्य

6) यह 1 से 9 तक सभी एकल अंकों के घनों का योग है।
अर्थात $1^3+2^3+.....9^3 = 2025$

बालमन

पेन और पेंसिल आर्ट

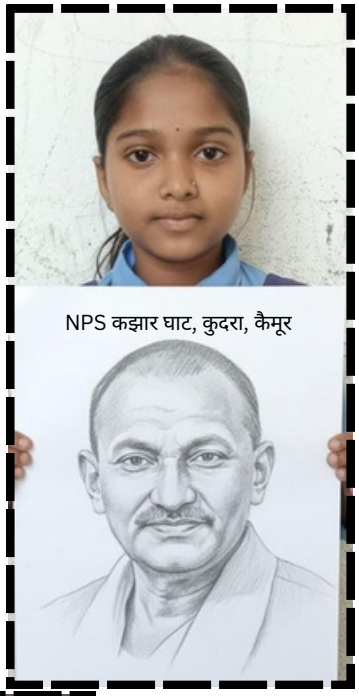

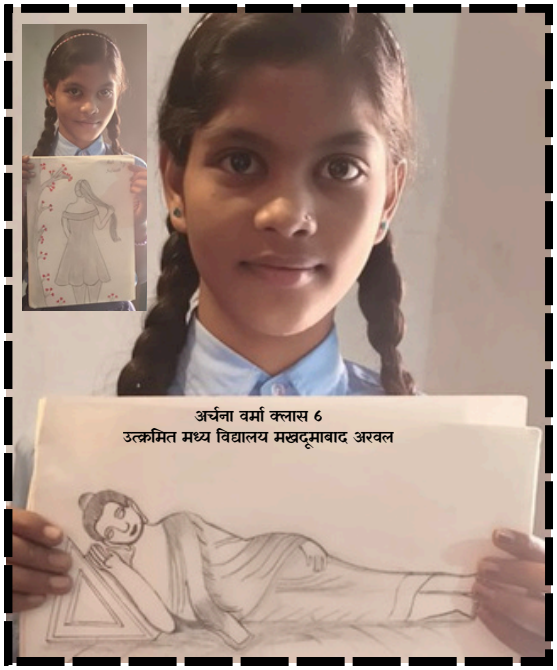

N.P.S. Hakam Naya tola
Baikunthpur Gopalganj

R MS vrijwaniya chsnpatiya
west champaran

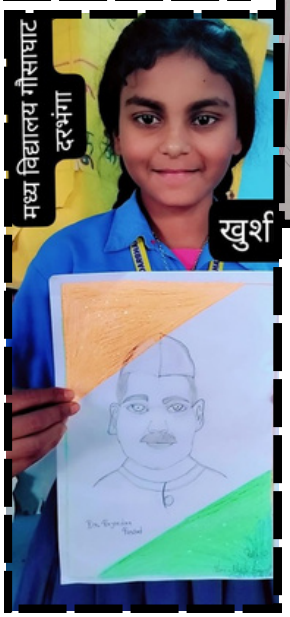

प्रियांशु कुमारी क्लास 6 उत्क्रमित
मध्य विद्यालय असलान रामपुर
गड़हनी भोजपुर

मध्य विद्यालय राँटी, मधुबनी

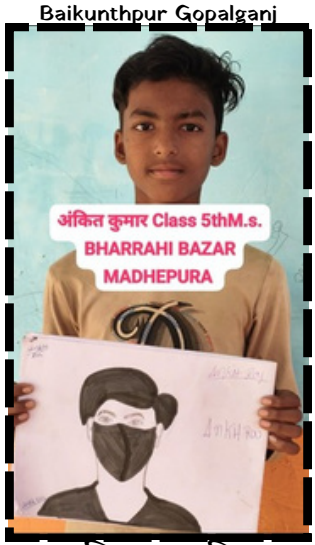

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
भर्राही बाजार, मधेपुरा

अमृता,मध्य विद्यालय सलथुआ, कुदरा , कैमूर

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

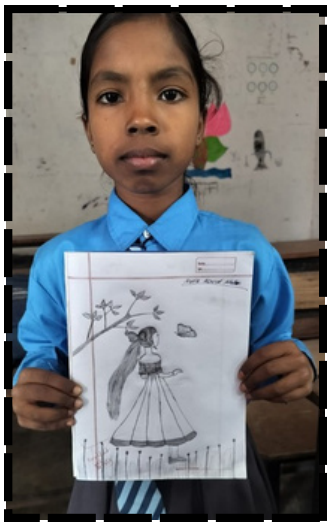

UMS सिलौटा, भभुआ , कैमूर

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

राकेश कुमार

stay safe

माह: November 2025

प्रथम शनिवार दिनांक 01.11.2025	भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी (प्राथमिक उपचार, सी.पी. आर.)
द्वितीय शनिवार दिनांक 08.11.2025	डूबने से बचाव एवं नाव दुर्घटना के संदर्भ में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 15.11.2025	भूंकप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल) — झुक जाएं, नीचे छिपें, पकड़े रहें
चतुर्थ शनिवार दिनांक 22.11.2025	शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी

किसी माह पांचवे शनिवार पड़ने की स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबंधित जानकारी देंगे एवं उसका अभ्यास करायेंगे।

माह: December 2025

प्रथम शनिवार दिनांक 06.12.2025	निमोनिया, सर्दी-खांसी एवं जुकाम, आँख एवं त्वचा का संक्रमण, कोविड-19 तथा इससे बचाव
द्वितीय शनिवार दिनांक 13.12.2025	हाथ-धुलाई, खुले में शौच के खतरे, मल का सुरक्षित निपटान के सन्दर्भ में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 20.12.2025	शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के बारे में जानकारी
चतुर्थ शनिवार दिनांक 27.12.2025	डूबने से बचाव एवं नाव दुर्घटना के सन्दर्भ में जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

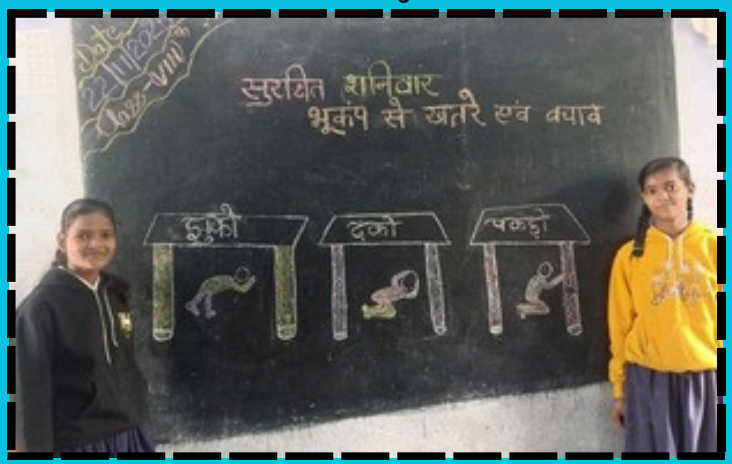

U.M.S. Dhawari Baniyapur SARAN

प्राथमिक विद्यालय खरांटी कुत्तबी, पालीगंज पटना

प्राथमिक विद्यालय, माहीसाइडिंग, सोनपुर, सारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैजनाथ, रामगढ़, कैमूर

बालमन कविता

"मन करता है"

मन करता है फिर से मैं बच्चा बन जाऊँ,
माँ के आँचल में फिर से छिप जाऊँ ।

सज - सँवर के माँ के हाथों से अब स्कूल की दौड़ लगाऊँ,
मन करता है फिर से बच्चा बन जाऊँ ।

गावों की गलियों में पेड़ों की शाखों पर चढ़ जाऊँ,
बचपन की खुशियों संग फिर से मैं मौज उड़ाऊँ ।

सपनों की गलियों में जाकर फूलों सा खुशबू बिखराऊँ ,
सुन्दर - सुन्दर पंछी जैसे हरदम चहकता ही जाऊँ ।

मन करता है बारिश में कागज़ की नाव बनाऊँ,
फिर पानी में उसे चलाकर फिर से बच्चा बन जाऊँ ।

आशीष अम्बर
(विशिष्ट शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय धनुषी
प्रखंड - केवटी
जिला - दरभंगा
बिहार

शिक्षक का संकल्प

मैं शिक्षक हूँ, कर्म मेरा सच्चा तप है,
बच्चों के भविष्य में ही मेरा स्वरूप छिपा है।
सुबह की किरण संग मैं विद्यालय जाता,
ज्ञान के दीप जलाकर अंधियारा मिटाता।

थकान नहीं आती, ना रुकता कदम,
हर बच्चे में देखता मैं उज्जवल आलम।
लोग क्या कहते, उसकी परवाह नहीं,
मेरे लिए बस शिक्षा ही राह सही।

हर नन्हें मन में संस्कार जगाऊँ,
ज्ञान से जीवन का दीप जलाऊँ।
जब बच्चे आगे बढ़ते मुस्काते हैं,
तो मेरे जीवन के अर्थ खिल जाते हैं।

शिक्षा ही समाज का सच्चा आभूषण,
यही देश का गौरव, यही उसका पूषण।
बच्चे शिक्षित होंगे तो भारत खिलेगा,
हर हृदय में विकास का सपना मिलेगा।

धीरज सिंह(विज्ञान शिक्षक)
मध्य विद्यालय,नोनिया टोला
चकला,नरपतगंज,अररिया

बाल दिवस

आज है वो शुभदिन
मेरे चाचा नेहरूजी के है
जन्मदिन।
बाल दिवस मनाए जाते
आज के ही दिन।

आज है वो शुभदिन
मेरे मित्र के भी हैं
जन्मदिन।

लड्डू मिठाई सेवई हलवा
बाटे आज के दिन।
हर बच्चों के लिए
आज है एक खासदिन।

बाल दिवस मनाए जाते
आज के ही दिन।
दिल मैं खुशी भर लो
यारों
आंखों मैं है नई चमक।
उमंग भरी दिन है आज
आज है बाल दिवस।

प्रदीप(शिक्षक)
प्राथमिक विद्यालय
कुमारीपुर , मनिहारी
,कटिहार

बाल दिवस के उपलक्ष्य में "फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता"
राजकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय अजराना खुर्द,जिला-कुरुक्षेत्र(हरियाणा)

ब्लैक बोर्ड आर्ट

बालमन

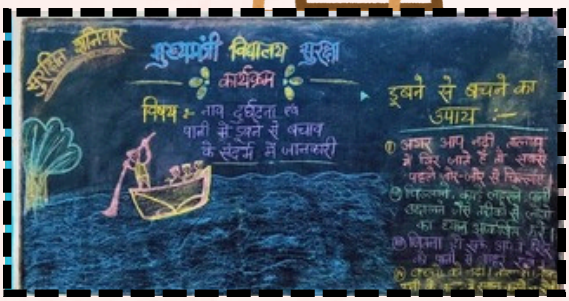

P S MAKTAB KABAI NAYATOLA
VIDYAPATINAGAR SAMASTIPUR

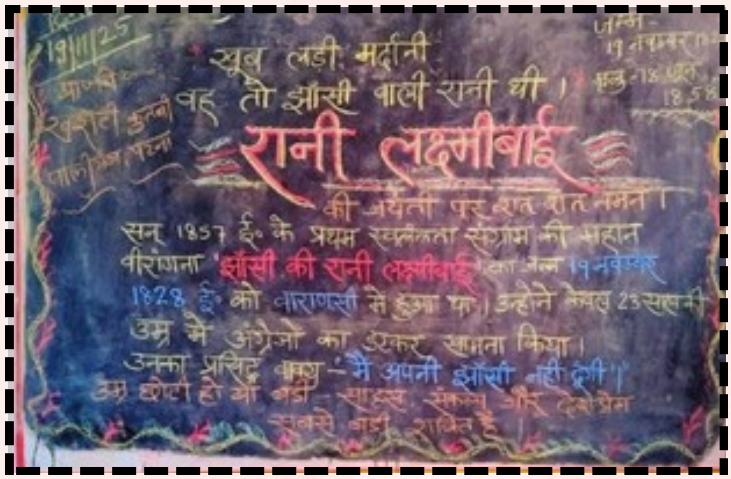

प्राथमिक विद्यालय खरांटी कुत्तबी, पालीगंज पटना

NPS साहू टोला बांध के पास, चकिया पूर्वी चंपारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदूमाबाद अरवल

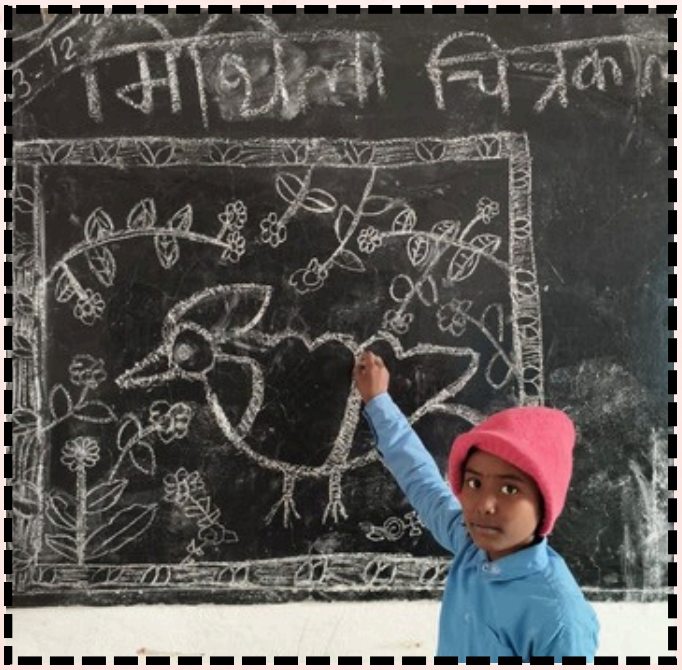

प्राथमिक विद्यालय नावानगर, कोचस, रोहतास

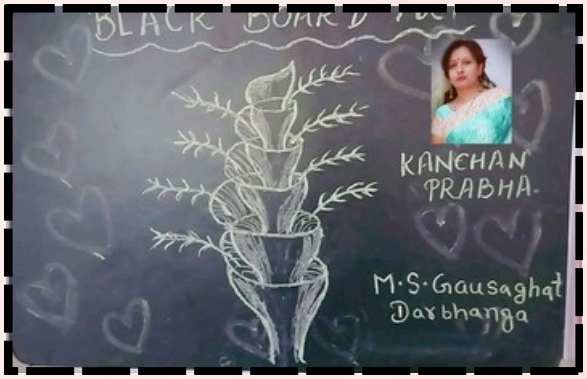

प्राथमिक विद्यालय लखमनपुर, चैनपुर, कैमूर

संसार का पहला गणराज्य " वैशाली"

कुमार राकेश मणि

बिहार के मुख्य जिलों में से एक वैशाली है। इस जिले का मुख्यालय हाजीपुर है। पटना से इसकी दूरी करीब 22 किलोमीटर है। वैशाली की प्रमुख नदियां गंगा और गंडक हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस शहर का नाम राजा विशाल के नाम पर हुआ है। ये स्थान बौद्ध धर्म और महावीर स्वामी की जन्मस्थली के लिए जानी जाती है। भगवान बुद्ध के समय ये सोलह महाजनपदों में वैशाली की गिनती मगध में होती थी।

वैशाली, दुनिया के पहले गणराज्य, भगवान बुद्ध की तीर्थस्थली और भगवान महावीर की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध है।

वैशाली में बहुत सारे दर्शनीय स्थल हैं जिन्हें देखा जा सकता है जो निम्नवत है -

• विश्व शाति स्तूप (वैशाली) - जापानी बौद्ध संगठन निप्पोनजान म्योहो जी द्वारा निर्मित यह स्तूप शाति का प्रतीक है। यह स्थल भगवान बुद्ध से संबधित ऐतिहासिक स्तूप के पास स्थित है।

• अशोक स्तंभ--सम्राट अशोक द्वारा स्थापित यह एकल पत्थर का बना स्तंभ आज भी उत्कृष्ट अवस्था में संरक्षित है। इसके शीर्ष पर सिंह की मूर्ति है।

• बुद्ध अवशेष स्तूप (स्तूप नंबर 1)-- यह प्राचीन स्तूप भगवान बुद्ध के अवशेषों को समर्पित माना जाता है। इसकी खुदाई से 5वीं शताब्दी ई.पू. के प्रमाण मिलते हैं।

• कुंडलपुर (भगवान महावीर का जन्मस्थल)-- यह जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्मस्थान माना जाता है। यह एक शांत और पवित्र तीर्थस्थल है।

• बावन पोखर मंदिर--एक प्राचीन शिव मंदिर, जो एक बड़े तालाब के किनारे स्थित है। इसकी स्थापत्य कलाका और धार्मिक महत्ता दर्शनीय है।

• अभिषेक पुष्करिणी (राजतिलक सरोवर)--यह पवित्र सरोवर है जहाँ लिच्छवि शासकों का अभिषेक (राजतिलक) किया जाता था। ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण स्थान है।

• चौमुखी महादेव मंदिर-- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसके शिवलिंग के चार मुख हैं, जो शिव के विभिन्न स्वरूपों का प्रतीक हैं। धार्मिक और स्थापत्य दोनों दृष्टिकोण से यह एक महत्वपूर्ण स्थल है।

• वैशाली पुरातात्विक संग्रहालय-- इस संग्रहालय में मौर्य और गुप्त काल की मूर्तियाँ, सिक्के, टेराकोटा वस्तुएँ और अभिलेख संग्रहित हैं।

• राजा विशाल का गढ़-- इसे लिच्छवि गणराज्य की संसद माना जाता है। यह विशाल प्राचीन किला वैशाली की प्राचीन लोकतांत्रिक परंपरा का प्रतीक है।

• बरैला झील -- यह एक बड़ी मीठे पानी की झील और पक्षी अभयारण्य है। यह जैव विविधता से भरपूर है और खासकर प्रवासी पक्षियों के आगमन के समय प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है।

• वैशाली महोत्सव -- यह महोत्सव भगवान महावीर के जन्मदिवस (अप्रैल माह) के अवसर पर मनाया जाता है। इसमें लोक नृत्य, पारंपरिक व्यंजन, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। अप्रैल माह में आने पर इस महोत्सव का आनंद लिया जा सकता है।

गुणकारी सब्जी

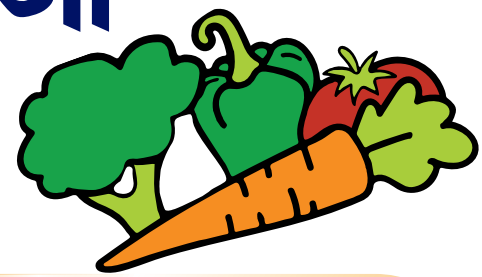

ब्रोकली

ब्रोकली एक प्रकार की हरी सब्ज़ी है जो फूल गोभी और पत्ता गोभी परिवार के अंदर आती है। क्रूसिफेरस सब्जियों में ब्रोकली एक ऐसी सब्जी है जो सेहत के लिए अमृत है। इस सब्जी का सेवन करने से बॉडी को सिर से लेकर पैर तक फायदा होता है। यह एक ऐसी सब्जी है जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है और खाने में बेहद स्वादिष्ट भी है। साइंटिफिक रिसर्च में ये बात साबित हो चुकी है कि यह किसी भी सब्जी की तुलना में सबसे ज्यादा पोषण से भरपूर होती है। ब्रोकली का सेवन सलाद, सूप या सब्ज़ी के रूप में करें तो सेहत को फायदा होता है।

ब्रोकली में फाइबर, पोटेशियम, आयरन, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन बी-6 और विटामिन ए भी प्रचुर मात्रा में होता है। इसमें अन्य सब्जियों की तुलना में अधिक प्रोटीन भी होता है।

ब्रोकली में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं। इसका सेवन करने से LDL कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है और दिल के रोगों से बचाव होता है।इसका सेवन करने से क्रोनिक बीमारियां जैसे डायबिटीज और मोटापा कंट्रोल रहता है।इस सब्जी का सेवन करने से हड्डियां मजबूत बनती हैं। इस सब्जी में कैल्शियम, विटामिन के,मैग्नीशियम,फॉस्फोरस,कॉपर,जिंक और विटामिन सी मौजूद होता है जो इम्यूनिटी को मजबूत करता है और हड्डियों को ताकतवर बनाता है।ब्रोकली में ऐसे गुण भी मौजूद हैं जो बॉडी को डिटॉक्स करते हैं। इसका सेवन रोजाना किया जाए तो किडनी और लंग्स की सेहत दुरुस्त रहती है। ये सब्जी स्किन की रंगत में निखार लाती है और स्किन को हेल्दी बनाती है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

एक नजर इधर भी...

बालमन

NPS भनखनपुर, मोहनिया, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय पार्थद टोला मजगामा, पूर्णिया

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बलहा
बिस्फी मधुबनी

मध्य विद्यालय सिमराहा, प्रखंड फारबिसगंज ,जिला अररिया

Vandana kumari,Class-8
Buniyadi M. S. Ailay,chand,kaimur

NPS बलरा दुसाध टोली, बरौली, गोपालगंज

मध्य विद्यालय सिमराहा, प्रखंड फारबिसगंज ,जिला अररिया

प्राथमिक विद्यालय खरांटी कुत्तबी
पालीगंज, पटना।

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान, पूर्णिया

NPS साहू टोला बांध के पास
चकिया पूर्वी चंपारण

बालमन

कहना जरूरी हैं...

आज की तेज़ रफ़्तार वाली दुनिया में, युवा पीढ़ी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें से एक प्रमुख समस्या है नशे की लत, जो भारत में युवाओं के बीच तेज़ी से फैल रही है। यह न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति पर भी गहरा असर डालती है।नशे की लत एक जटिल समस्या है, जिसके कई कारण हैं। ये कारण सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और पर्यावरणीय कारकों से जुड़े हैं।

युवा अक्सर दोस्तों के दबाव में नशा शुरू करते हैं। यदि कोई दोस्त नशा करता है, तो दूसरा भी उसे आजमाने की कोशिश करता है ताकि वह ग्रुप में फिट हो सके। सोशल मीडिया पर नशे को ग्लैमराइज किया जाता है, जिससे युवा आकर्षित होते हैं। सेलिब्रिटी या भाई-बहन का नशा करना भी एक कारण बन जाता है। यदि परिवार में कोई सदस्य नशा करता है, तो युवा उसे कॉपी कर सकते हैं। असामाजिक व्यवहार या अभिभावकों का नशा एक रोल मॉडल बन जाता है।

युवाओं को नशे से मुक्त करने के लिए परिवार, स्कूल, समाज और निजी संस्थाओं का सहयोग आवश्यक है। एकजुट होकर ही इस समस्या को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

युवाओं में बढ़ती नशे की लत एक गंभीर चुनौती है। लेकिन यदि हम जागरूकता, शिक्षा और उपचार पर ध्यान दें तो इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

विश्व के धरोहर

हम्पी

हम्पी, जिसे हम्पी स्मारकों के समूह के रूप में भी जाना जाता है, भारत के पूर्व-मध्य राज्य कर्नाटक में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। हम्पी में स्मारकों का समूह 1986 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ था। हम्पी के कठोर, राजसी स्थल ने अंतिम महान हिंदू साम्राज्य विजयनगर की अंतिम राजधानी के रूप में कार्य किया। 14 वीं और 16 वीं शताब्दी के बीच, इसके बेहद अमीर प्रभुओं ने द्रविड़ मंदिरों और महलों का निर्माण किया, जिन्होंने हम्पी की प्रशंसा की। हम्पी इस क्षेत्र के समृद्ध इतिहास का पता लगाने और उसके बारे में जानने के लिए एक आकर्षक गंतव्य है। हम्पी की वास्तुकला अपनी तरह की अनूठी थी। परिसर की संरचनाओं में मेहराब, स्तंभ वाले हॉल और गुंबद के साथ-साथ बढ़ती मूर्तियों के लिए छेद शामिल थे। कमल और कॉर्बेल जैसे मूर्तिकला विषयों के साथ अच्छी तरह से रखे गए वुडलैंड और बगीचे भी थे।

यूनेस्को के अनुसार, हम्पी आंशिक रूप से यूनेस्को की एक साइट है क्योंकि "हम्पी के नियोजित और संरक्षित शहर के बीच इसकी अनुकरणीय मंदिर वास्तुकला और इसकी शानदार प्राकृतिक सेटिंग के साथ उल्लेखनीय एकीकरण एक अद्वितीय कलात्मक रचना का प्रतिनिधित्व करता है।" यह गायब विजयनगर साम्राज्य का प्रतिनिधित्व करता है, और 1565 में राज्य के विनाश की गवाही देता है, जब इसे तालिकोटा की लड़ाई में हराया गया था।

पूर्व गौरवशाली शहर को एक विशेष भूवैज्ञानिक क्षेत्र में तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थापित किया गया था। बड़ी गोल चट्टानें रहस्यमय सेटिंग में जोड़ती हैं, और आश्चर्यजनक वास्तुशिल्प चमत्कार आंशिक रूप से अच्छी तरह से संरक्षित हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इस क्षेत्र को बनाए रख रहा है और कुछ स्थानों पर खुदाई अभी भी प्रगति पर है। इस विशाल सेटिंग में विभिन्न प्रकार की निर्माण अवधि दिखाई देती है। सबसे पुराना मंदिर अभी भी सक्रिय है और एक लोकप्रिय धार्मिक तीर्थ स्थल है। खोज करने के लिए इमारतों और मंदिरों की भारी संख्या इसे एक विशेष विरासत स्थल बनाती है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव, कैमूर

बोलती तस्वीरें Part 1

धीरज कुमार+पुष्पा प्रसाद

प्राथमिक विद्यालय पाषद टोला मजगामा कस्बा पूर्णिया

अभ्यास मध्य विद्यालय शेखपुरा में निशक्त बच्चों के द्वारा किया गया प्रयास चित्रांकन

UMS मखदुमपुर , अरवल

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनिया जिला मधुबनी

NPS हसनपुरा, मोहनिया, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय
पंचगांवा, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय सुखासन कोठी , प्रखंड -बी कोठी, पूर्णिया, में बच्चों को माइक्रोस्कोप की जानकारी देते हुए ।

JUHS khamhar Bibhutipur samastipur

QUIZ TIME

1 विश्व बाल दिवस कब मनाया जाता हैं ?

A 20 नवम्बर

B 14 नवम्बर

C 05 नवम्बर

सही उत्तर : A

2 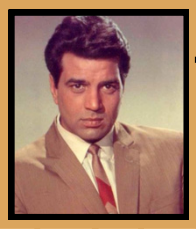 चित्र में दिखने वाले अभिनेता की एक चर्चित फिल्म है?

A दिलजले

B शोले

C तिरंगा

सही उत्तर : B

3 सोन नदी का उद्गम स्थल कहां है?

A मानसरोवर

B अमरकंटक

C त्रयंबकेश्वर

सही उत्तर :B

बालमन

बूझो तो जानें

धीरज कुमार

पहेली संख्या 1

फूलों का राजा,सुगंध बहुत मन
को भाता,
तोड़ना चाहे कोई तो चुभ जाता है
कांटा।।

सही उत्तर : गुलाब

पहेली संख्या 2

बच्चों के लिए ये है चाचा।
14 नवंबर को जन्मदिन सभी है मानता।
बुझ गए तो हल्दी बताओ
देर हुआ तो समझेंगे जवाब तुम्हे नहीं है आता।।

सही उत्तर : पण्डित जवाहरलाल नेहरू

पहेली संख्या 3

गोल- गोल में घूम- घूम कर
मीठे रस में नहाती हूं।
बाहर जब में आती हूं तो
सबके मन को ललचाती हूं।।

सही उत्तर : जलेबी

पहेली संख्या 4

प्रथम कटे तो बनू पान
बीच हटे तो बनता हूं जान।
जल्दी से बतलाओ नाम
देश है ये बड़ा महान।

सही उत्तर : भारत

पुष्पा प्रसाद+ धीरज कुमार

बालमन
बोलती तस्वीरें part 2

राजकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय अजराना खुर्द,जिला-कुरुक्षेत्र(हरियाणा)

NPS कझार घाट, कुदरा, कैमूर (बिहार)

मध्य विद्यालय सिमराहा, अररिया

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

राजकीयकृत मध्य विद्यालय रांटी, मधुबनी

मध्य विद्यालय बेलागोपी, गायघाट, मुजफ्फरपुर

प्राथमिक विद्यालय लखमनपुर, चैनपुर, कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैजनाथ, रामगढ़, कैमूर

UHHS भर्राही बाजार, मधेपुरा

बालमन कविता

बच्चों से रोशन ज़हान

नन्हे फूलों से महकता संसार,
बच्चों से होती हर सुबह गुलज़ार।
मुस्कानों से ये रौशन करते जहान,
इनसे ही तो है जीवन की रसधार।।

खेलों में छिपी इनकी खुशी,
सपनों में उड़ती रंगीन हंसी।
न कोई चिंता , न कोई डर,
बस मस्ती ही मस्ती चारों ओर ।।

आँखों में चमक सितारों की,
बातों में मिठास पुकारों की।
हर बच्चे में ईश्वर का रूप,
इनसे ही जग में चलता स्वरूप ।।

आओ मिलकर ये वादा करें,
हर बच्चे को खुशियों से भरें ।
पढ़ाई,खिलौने,प्यार का साथ,
यही है बाल दिवस की बात ।।

गोपाल कौशल भोजवाल
(शिक्षक)
नागदा, जिला धार (मध्यप्रदेश)

हौसलों की उड़ान

तुम इतने महान हो सकते हो,
कि मेरी कमियां निकाल सको।

मैं इतनी भी कमजोर नहीं ,
कि खुद को ना पहचान सकूं ।

तुम लक्ष्य हो ,तो मैं रास्ता हूं ।
तुम भाग्य हो ,तो मैं मेहनत हूं ।।

तुम पहाड़ हो,तो मैं उसकी चोटी हूं ।
तुम पुस्तक हो ,तो मैं पुस्तकालय हूं ।।
तुम ताला हो ,तो मैं कुंजी हूं ।
तुम किस्मत हो ,तो मैं पूंजी हूं।।

मेरी परिस्थितियां भले ही बदल जाएंगी,
मंजिल खुद चलकर एक दिन मेरे पास आयेंगी ।

तुम बस धीरज रखो और सोचो,
कि मैं भी एक सपना सजाऊंगा।
वह दिन दूर नहीं,
जब मैं तुम्हारे लिए तालियां बजाऊंगा ।

तुम अगर सोचते हो कि मैं वह बारहसिंगा हूं
जिसके सींगों का लोग सम्मान करते हैं ,
तो मैं वह मधुमक्खी हूं जो
पूरे जैव विविधता को अनूठा रूप प्रदान करता हूं ।
तुम अगर दरिया हो ,
तो मेरी कविता बनाने का जरिया हो ।

मुस्कान गुप्ता
वर्ग - 8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौरा
मोहनिया, कैमूर(बिहार)

आओ सीखें

रवि शर्मा

पत्रांक

यह किसी पत्र या पत्राचार को पहचानने के लिए दिया गया क्रमांक होता हैं। इसका प्रयोग आवेदन, निवेदन, उत्तर पत्र, सामान्य पत्राचार आदि में किया जाता हैं। यह सामान्य व आधिकारिक पत्र दोनों में प्रयोग हो सकता है। इसका उद्देश्य आने-जाने वाले पत्रों का रिकॉर्ड रखने व ट्रैक करने के लिए होता हैं।

उदाहरण : पत्रांक: 42/2025
पत्र का अंश:
"सेवा में,
श्रीमान मुखिया जी,
विषय: विद्यालय में पौधारोपण हेतु अनुरोध।"

ज्ञापांक

यह किसी आदेश, परिपत्र या सरकारी सूचना पत्र को पहचानने हेतु दिया गया क्रमांक होता हैं। इसका प्रयोग सरकारी आदेश, अधिसूचना, परिपत्र, ज्ञापन आदि में / किया जाता हैं। यह केवल आधिकारिक आदेश/निर्देश वाले दस्तावेज़ों में प्रयोग होता हैं। इसका उद्देश्य सरकारी आदेश या सूचना की प्रमाणिकता व संदर्भ के लिए होता है।

उदाहरण : ज्ञापांक: ज्ञा./शि.-125/2025

आदेश का अंश:
अगस्त तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया जाए।" "निर्देशानुसार सभी विद्यालयों में 15 अगस्त से 30 अगस्त तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया जाए।

संक्षेप में:-
पत्रांक = सामान्य पत्राचार का क्रमांक।
ज्ञापांक = सरकारी आदेश/परिपत्र का क्रमांक।

बालमन

चेतना सत्र

उत्क्रमित मध्य विद्यालय असलान रामपुर ,गड़हनी (भोजपुर)

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सलथुआ, कुदरा, कैमूर

न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय सिमराहा अररिया

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान पूर्णिया

उत्क्रमित मध्य विद्यालय थतिया,मोतीपुर, मुजफ्फरपुर

बालमन कविता

बाल दिवस - १४ नवंबर

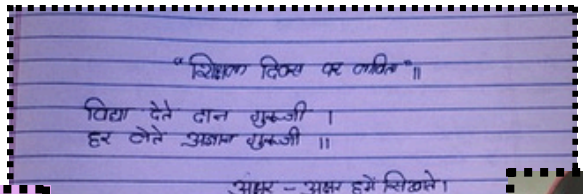

खेलो-कूदो, खूब पढ़ो,
बच्चों तुम जिज्ञासु बनो,
मोबाइल से तुम दूर रहो,
हो सके तो सदुपयोग करो,
सब काम करना सीखो,
माता-पिता, मित्रों के साथ,
तुम अपना थोड़ा वक्त बिताओ,
घर का थोड़ा-थोड़ा काम करो,
थोड़ा-थोड़ा दायित्व उठाओ,
खुद को जिम्मेदार नागरिक बनाओ,
सच्चरित्र, स्वावलंबी, कर्त्तव्यनिष्ठ बनो,
देशभक्ति का महान सद्गुण अपनाओ,
बच्चों ! खुद को तुम मनुष्य बनाओ,
खुद को जिम्मेदार नागरिक बनाओ,
वैज्ञानिक, अभियंता, चिकित्सक,
समाहर्ता, जीवन में बड़ा लक्ष्य बनाओ,
हो सके तो तुम महान दृष्टि बनाओ,
देश-सेवा, लोक-हित अवश्य कर्त्तव्य हो,
बच्चों चाहे तुम जिस पद पर जाओ,
खेलो-कूदो, खूब पढ़ो,
बच्चों तुम जिज्ञासु बनो,
मोबाइल से तुम दूर रहो,
हो सके तो सदुपयोग करो ।

......गिरीन्द्र मोहन झा
चैनपुर, पड़री, सहरसा

"शिक्षक दिवस पर कविता"॥

विद्या देते दान गुरुजी ।
हर लेते अज्ञान गुरुजी ॥

अक्षर - अक्षर हमें सिखाते।
शब्द - शब्द का अर्थ बताते॥

कभी प्यार से कभी डाँट से,
हमको देते ज्ञान गुरुजी॥

धरती का भूगोल बताते।
इतिहासों की कथा सुनाते॥
क्या कब क्यों कैसे होता है,
समझाते विज्ञान गुरुजी॥

धन्यवाद//

नाम - आदि कु. झा
कक्षा - 4थी
रोल नं - 1st
स्कूल :- उच्च माध्यमिक विद्यालय
नेहरनियाँ (हटवरिया),
हरलाखी, मधुबनी, बिहार।

DMI 13C 5G | DIP 10/11/2025

"हमारे प्यारे शिक्षक॥"

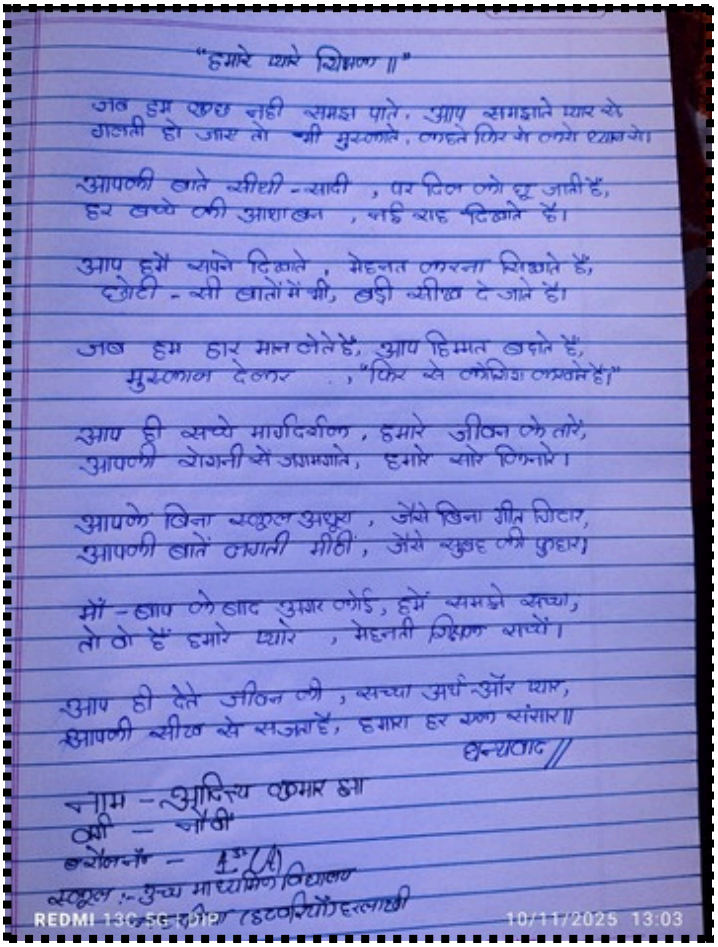

जब हम कुछ नहीं समझ पाते, आप समझाते प्यार से
गलती हो जाए तो भी मुस्काते, कहते फिर से करो ध्यान से।

आपकी बातें सीधी - सादी, पर दिल को छू जाती हैं,
हर बच्चे की आशा बन, नई राह दिखाते हैं।

आप हमें सपने दिखाते, मेहनत करना सिखाते हैं,
छोटी - सी बातों में भी, बड़ी सीख दे जाते हैं।

जब हम हार मान लेते हैं, आप हिम्मत बढ़ाते हैं,
मुस्कान देकर, "फिर से कोशिश करवाते हैं।"

आप ही सच्चे मार्गदर्शक, हमारे जीवन के तारे,
आपकी रोशनी से जगमगाते, हमारे सारे किनारे।

आपके बिना स्कूल अधूरा, जैसे बिना गीत सितार,
आपकी बातें लगती मीठी, जैसे सुबह की फुहार।

माँ - बाप के बाद गुरु कोई, हमें समझे सच्चा,
तो वो हैं हमारे प्यारे, मेहनती शिक्षक सच्चे।

आप ही देते जीवन को, सच्चा अर्थ और प्यार,
आपकी सीख से सजा है, हमारा हर एक संसार॥

धन्यवाद//

नाम - आदित्य कुमार झा
कक्षा - चौथी
रोल नं - 1st (A)
स्कूल :- उच्च माध्यमिक विद्यालय
[illegible] (हटवरिया) हरलाखी

REDMI 13C 5G | DIP 10/11/2025 13:03

बच्चों गीत गाने आओ

बाल दिवस मनाने आओ।
बच्चों गीत गाने आओ।।

आओ मिलकर खेलें खेल।
रखना है आपस में मेल।।
मीत नया बनाने आओ।
बच्चों गीत गाने आओ।।०१।।

तुमसे होता है मन हर्ष।
तेरे बिना दिवस सम वर्ष।।
हमें गले लगाने आओ।
बच्चों गीत गाने आओ।।०२।।

मेरे उपवन के तुम फूल।
कैसे जाऊँ तुझको भूल।
चित विकार मिटाने आओ।
बच्चों गीत गाने आओ।।०३।।

गीतकार:- राम किशोर पाठक
प्रधान शिक्षक
प्राथमिक विद्यालय कालीगंज उत्तर टोला, बिहटा, पटना, बिहार।

बालमन लघुकथा

छोटी सी कोशिश

2002 की सर्दियों की बात है भारत के एक छोटे से गाँव मे एक रामु नाम का लड़का रहता था ।उसके माता पिता मजदूरी करते थे और घर परिवार का गुजारा मुश्किल से चलता था। रामु पढ़ना चाहता था लेकिन फीस नहीं दे सकता था ।एक दिन गाँव मे दीपावली का त्योहार आया सबने दीपक जलाये लेकिन रामु के घर दिया नहीं था। उसने सोचा मै भी दिया जलाऊंगा लेकिन कैसे? रामु ने एक पुरानी बोतल ली उसने तेल और बत्ती बनाई और दीवार पर एक छोटा दीपक जलाया उसकी रोशनी कम थी लेकिन उसने गाँव वालों को प्रेरित किया लोग बोले इस बच्चे की हिम्मत तो देखो गरीबी मे भी उम्मीद नहीं छोड़ी। गाँव वालों ने मदद की स्कूल की फीस माफ हुई और रामु पढ़ कर डॉक्टर बना और गाँव मे ही एक अस्पताल बनवाया और गरीबो का मुफ्त उपचार करने लगा ।

सीख : छोटी शुरुआत से भी बड़ा बदलाव संभव है
किसी की मदद से जीवन बदल सकता है

नाम : प्रिया पाण्डेय
वर्ग : 8
विद्यालय: उत्क्रमित मध्य विद्यालय असलान रामपुर
गड़हनी, भोजपुर(बिहार)

कैसे लिखते हैं कविता?

बच्चों, आपके टीचर जी आपको निबंध लिखना सिखाते हैं, पत्र लिखने का तरीका बताते हैं। लेकिन आपको अपनी हिन्दी की पाठयपुस्तकों में कविता पढ़ने के बाद या मोबाइल टी वी पर किसी कवि की कविता सुनने के बाद क्या आपके मन में कविता लिखने का मन करता है? यदि आपका उत्तर हां है तो इस लेख को आगे पढ़ डालिए, आपको कविता लिखने रास्ता मिलता जायेगा।

उदाहरण के लिए जरा इस प्रसिद्ध कविता को देखिए-

मछली जल की रानी है
जीवन उसका पानी है ।।
हाथ लगाओ डर जायेगी
बाहर निकालो मर जायेगी।।

इस कविता में पहली लाइन के अंत में रानी है दूसरी में पानी है, तीसरी लाइन में डर जायेगी, और चौथी में मर जायेगी। इसको तुकबंदी शब्द कहते हैं। क्योंकि इनका स्वर आपस में मिलता- जुलता है। यदि आप भी इस तरह कविता लिखना चाहते हैं तो लिखते समय आपको तुकबंदी वाले शब्दों का इस्तेमाल करना होगा। जैसे आप बाजार गए और वहां आपको आपके कई दोस्त मिल गए तो आप इस प्रकार कविता लिख सकते हैं -

गया मैं कल शाम बाजार
मिले वहां मुझे मित्र चार ।।
खाई हमने खट्ट मिट्ठी गोली
खूब हुई मिल हंसी- ठिठोली ।।

इस कविता में पहली पक्ति में बाजार, दूसरे में चार, तीसरी में गोली और चौथी में ठिठोली तुकांत शब्द हैं। अब कलम उठाइए और आप भी कविता लिखने की कोशिश कीजिए। मीटर का अवश्य यह ध्यान दीजिएगा यदि कविता की पहली लाइन में पांच शब्द हैं तो दूसरी लाइन में भी पांच ही शब्द हों तो अच्छा रहेगा।

- शरद कुमार वर्मा
शिक्षक,
रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल चारबाग, लखनऊ(यू.पी.)

बालमन

वर्ष 2025 की पत्रिका को पढ़ने के लिए पत्रिका पर क्लिक करें।

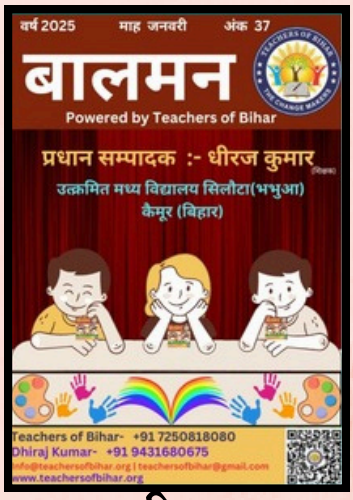

जनवरी 2025

फरवरी 2025

मार्च 2025

अप्रैल 2025

मई 2025

जून 2025

जुलाई 2025

अगस्त 2025

सितम्बर 2025

अक्टूबर 2025

प्रधान सम्पादक: धीरज कुमार (शिक्षक)
नवसृजित प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़ ,भभुआ,
कैमूर (बिहार)

Teachers of Bihar : +917250818080
Dhiraj Kumar : +91 9431680675
teachersofbihar@gmail.com
www.teachersofbihar.org

ToB बालमन के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए
QR कोड को स्कैन करे या क्लिक करे।